दबंग दुनिया

कुलपति ने दिया प्रेजेंटेशन, कुलाधिपति बोले- ठीक चल रहा है...

नेक के संबंध में दी पूरी जानकारी, 30 प्रतिशत नंबर पर काम

दबंग रिपोर्टर ■ इंदौर

देवी अहिल्या यूनिवर्सिटी सहित प्रदेश की तीन यूनिवर्सिटी ने शुक्रवार को भोपाल में राजभवन में अपना प्रेजेंटेशन दिया। इस प्रेजेंटेशन में कुलपति ने विभिन्न बिंदुओं पर अपनी बात रखी। इसमें नेक की तैयारियां भी शामिल थीं। कुलाधिपति (राज्यपाल) लालजी टंडन ने प्रेजेंटेशन देखने के बाद कहा कि ठीक चल रहा है। कुलाधिपति ने यूनिवर्सिटीज को एंटरप्रेन्योर पर सबसे ज्यादा ध्यान देने को कहा। शुक्रवार को कुलाधिपति ने तीन यूनिवर्सिटीज को प्रेजेंटेशन के लिए बुलाया था। इसमें देवी अहिल्या यूनिवर्सिटी,

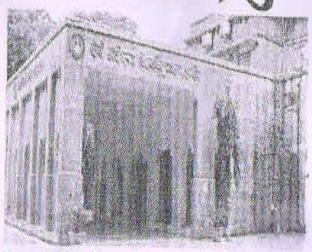

विक्रम यूनिवर्सिटी भोपाल और विक्रम यूनिवर्सिटी उज्जैन शामिल थे। तीनों यूनिवर्सिटीज के कुलपतियों ने नौ बिंदुओं के आधार पर तैयार किए गए अपने प्रेजेंटेशन प्रस्तुत किए।

एसएसआर से मिलेंगे 70 प्रतिशत नंबर

देवी अहिल्या यूनिवर्सिटी की कुलपति डॉ. रेणु जैन ने अपने प्रेजेंटेशन में बताया कि वर्तमान में परीक्षाओं के अधिकांश रिजल्ट घोषित किए जा चुके हैं और बाकी रिजल्ट 15 अक्टूबर तक घोषित कर दिए जाएंगे। इसके बाद उन्होंने नेक की स्थिति के बारे में जानकारी दी कि यूनिवर्सिटी में इसका निरीक्षण अगले महीने में संभावित है। यूनिवर्सिटी ने 70 प्रतिशत नंबर की जानकारी एसएसआर के माध्यम से जमा कर दी है। अब बचे हुए 30 प्रतिशत नंबर के लिए यूनिवर्सिटी का निरीक्षण होना है। इसके लिए तैयारियां की जा रही हैं और डिपार्टमेंट आपने स्तर पर अंतिम रूप से काम कर रहे हैं। कुलाधिपति ने प्रेजेंटेशन के बाद कहा कि ठीक चल रहा है। इससे यूनिवर्सिटी को राहत मिली है।

नए कुलाधिपति के सामने पहला प्रजेंटेशन

डॉ. रेणु जैन द्वारा कुलपति के रूप में ज्वाइन करने के बाद राजभवन में यह पहला प्रेजेंटेशन है। कुलाधिपति बदलने के बाद भी यूनिवर्सिटी को पहली बार अपनी बात रखने के लिए बुलाया गया है। इसमें भले ही कुलाधिपति ने संतुष्ट शब्द नहीं कहा लेकिन ठीक है, कहकर यूनिवर्सिटी को राहत जरूर दी है, क्योंकि इससे पहले को-ऑर्डिनेशन कमेटी की बैठक में वे रिजल्ट के मामले में सारी यूनिवर्सिटीज पर नाराज हो चुके हैं। कुलाधिपति ने साफ कर दिया है कि समय-समय पर यूनिवर्सिटीज को विभिन्न बिंदुओं पर अपनी जानकारी देना होगी। अब यूनिवर्सिटी का फोकस नेक में अच्छी ग्रेड पाने के लिए रहेगा।

रिटायर्ड प्रोफेसर्स से कॉलेज लेंगे मार्गदर्शन

दबंग रिपोर्टर ■ इंदौर

प्रदेश के कॉलेजों और यूनिवर्सिटीज को अब रिटायर्ड हुए प्रोफेसर्स मार्गदर्शन देंगे। उच्च शिक्षा विभाग ने रिटायर हो चुके प्रोफेसर्स के अनुभव का लाभ लेने के लिए एक नई योजना तैयार की है।

ऐसे प्रोफेसर्स को साल में चार बार मार्गदर्शन के लिए सेमीनार के माध्यम से बुलाया जा सकेगा। इसके लिए उन्हें बाकायदा मानदेय दिया जाएगा। इन प्रोफेसर्स द्वारा दिए गए सुझावों को अमल में भी लाया जाएगा।

उच्च शिक्षा विभाग के अनुसार प्रदेश के विभिन्न गवर्नमेंट कॉलेजों और यूनिवर्सिटीज से रिटायर हुए प्रोफेसर्स के पास ऐसे अनुभव होते हैं, जिनसे कार्यरत प्रोफेसर्स और कॉलेज या यूनिवर्सिटी में पढ़ रहे विद्यार्थियों से साझा करने से गुणात्मक लाभ मिल सकता है। इसी को ध्यान में रखते हुए कॉलेज और यूनिवर्सिटी के रिटायर प्रोफेसर्स के लिए मार्गदर्शन योजना शुरू की जा रही है।

व्याख्यान-सेमिनार करेंगे आयोजित

विभाग के अनुसार कॉलेज और यूनिवर्सिटी उच्च शिक्षा में रिटायर प्रोफेसर्स के अनुभवों को साझा करने और मार्गदर्शन प्राप्त करने के लिए व्याख्यान, सेमिनार का आयोजन करेंगे। इन आयोजनों में प्रोफेसर्स अपने अनुभवों और उनके आधार पर तैयार सुझावों को साझा करेंगे। इस प्रकार के व्याख्यान साल में चार बार आयोजित किए जा सकते है। आमंत्रित प्रोफेसर्स को मानदेय भी दिया जाएगा। इसके लिए कॉलेज की जनभागीदारी समिति में प्रस्ताव रखकर इसे पारित करवाना होगा। उच्च शिक्षा विभाग के अनुसार यह अधिकतम 2000 रुपए प्रति घंटा हो सकता है। जनभागीदारी समिति इस अधिकतम राशि या उससे कम राशि तय कर सकती है।